Swaraj India Founding Convention

Held on Sunday 2 October, 2016 at Parsi Anjuman Hall, Bahadur Shah Zafar Road, LNJP Colony, New Delhi, Delhi 110002

Minutes of Meeting

1. Attendance: A copy of the member's register listing all members who attended the Founding Convention is attached at **Annexure-A**. The register bears signatures of 330 members who were physically present in the Convention/Meeting hall. Additionally, affirmations of attendance by another 3 members who were physically present yet failed to sign the attendance register due to oversight along with 6 members who attended the meeting through internet video conferencing are attached at **Annexure-B**.
2. The convention/meeting was convened at 11:00am, electing Prof. Anand Kumar as the Chairperson unanimously. Anand Kumar welcomed everyone present and explained the background of events, which lead to the decision to form Swaraj India.
3. The convention was then addressed by Senior Advocate Shanti Bhushan, who spoke on the history of attempts to create a politics of integrity since the Emergency onward, and of his confidence that the present attempt will bear better fruit.
4. Prof. Ajit Jha addressed the Convention informing every one of events and decisions which led to the decision to form a political party named Swaraj India today.
5. Senior Advocate Prashant Bhushan then addressed the Convention.
6. Rajeev Godara moved the following Resolution before members of the house, proposing that all those present at this Founding Convention should form themselves into a political party named "Swaraj India" –

प्रस्ताव-1

स्वराज इंडिया का स्थापना प्रस्ताव

आज से डेढ़ साल पहले स्वराज अभियान की स्थापना वैकल्पिक राजनीति को मजबूत करने के लिए हुई थी। 14 अप्रैल 2015 को स्वराज अभियान के स्थापना सम्मेलन ने स्वराज अभियान की आवश्यकता को इस तरह चिन्हित किया था :

'स्वराज की मशाल लेकर चले देशव्यापी आंदोलन के कार्यकर्ताओं, समर्थकों और शुभचिंतकों का यह संवाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि इस आंदोलन की आत्मा को बचाए रखने के लिए वैकल्पिक राजनीति के प्रयासों को और मजबूत करने की जरूरत है।

हमने देखा है कि आज भी नई पीढ़ी में त्याग, बलिदान और आदर्श की कमी नहीं है। देश और दुनिया के कोने-कोने में बैठे हिन्दुस्तानी एक सुन्दर भारत के सपने के लिए आहुति देने को तैयार हैं। हमने देखा है कि पाप और झूठ पर खड़े सत्ता के महल ताश के पत्तों की तरह ढह सकते हैं। हमने देखा है कि इस देश का आम आदमी, आम औरत और अंतिम इंसान नए राजनीति को गले लगाने के लिए आतुर है। हमने देखा है कि इतिहास की धार मोड़ी जा सकती है।

इस सफर से हमने कुछ सबक भी सीखे हैं। जहां एक ओर हम अपने मंजिल के करीब आये, वहीं दूसरी ओर हमारे सपने और हकीकत में फासला बढ़ा भी है। नई राजनीति चली थी देशव्यापी विकल्प बनने के लिए लेकिन कहीं एक क्षेत्रीय या महानगरीय दायरे में सिमटती नजर आ रही हैं। एक राजनीतिक आंदोलन महज एक चुनावी मशीन बनता जा रहा है और वॉलंटियर उस मशीन के पुर्जे। नई राजनीति के विचार को ही वर्तमान राजनीति ने बदलने की कोशिश कर दी है। व्यक्तिपूजा, हर कीमत पर सफलता की लालसा, मर्यादा को ताक पर रखने की प्रवृत्ति और येन, केन, प्रकारेण चुनाव जीतना और सत्ता में बने रहना-इन सब बीमारियों से आज की नई राजनीति भी दूर नहीं रही।

ऐसे में वैकल्पिक राजनीति को मजबूत करने के लिए यह सभा स्वराज-अभियान की स्थापना का निर्णय लेती है।'

तब से अब तक हमने उन सभी दिशाओं में प्रयास किए हैं, जो स्थापना सम्मेलन में चिन्हित की गई थीं। हमने भूमि अध्रिहण, सूखा, जनलोकपाल, शराब के ठेकों और राजनैतिक भ्रष्टाचार के सवालों पर आंदोलन चलाए हैं। देश के कोने-कोने में स्वराज संवाद आयोजित किए हैं। वैकल्पिक राजनीति के लिए युवा कार्यकर्ताओं को चिन्हित किया और उनका प्रशिक्षण आयोजित किया। कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों के साथ मिलकर 'स्वराज दर्शन' नामक नए भारत का एजेंडा तैयार किया।

स्वराज अभियान के स्थापना सम्मेलन में पारदर्शी व लोकतांत्रिक वोट द्वारा यह फैसला किया गया कि राजनैतिक पार्टी का गठन तत्काल न किया जाए। यह तय किया गया कि स्वराज अभियान सबसे पहले आंदोलन व संगठन निर्माण पर ध्यान देगा और पारदर्शिता, जवाबदेही व आंतरिक लोकतंत्र के मानकों को पूरा करेगा।

जुलाई 2016 तक स्वराज अभियान ने सात राज्यों के एक तिहाई से अधिक जिलों और देशभर के 114 जिलों में विधिवत संगठन निर्माण पूरा किया। आज यह संख्या आठ राज्यों और 130 जिलों तक पहुंच चुकी है। संभवत: यह देश का पहला संगठन था, जिसने राजनैतिक दिशा तय करने से पहले लोकतांत्रिक प्रक्रिया को इतनी गहराई से अपनाया। पारदर्शिता की कसौटी का पालन करते हुए सदस्यों की सूची, चुने हुए पदाधिकारियों की सूची और आमदनी के खर्च के ब्योरे को सार्वजनिक किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर सूचना के अधिकार कानून को मानते हुए जन सूचना अधिकारी (पी.आई.ओ) की नियुक्ति की गई। जवाबदेही की कसौटी का पालन करते हुए लोकपाल, अनुशासन समिति और शिकायत समितियों का भी गठन किया गया। हमने अपनी राजनैतिक दिशा तय करने के लिए निर्धारित मर्यादाओं को पूरा किया है। राजनीति के इस मर्यादाविहीन दौर में यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

इस आधार पर 31 जुलाई 2016 को स्वराज अभियान के राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में गुप्त मतदान के जरिये 94% प्रतिनिधियों ने देश बचाने और देश बनाने के लिए 2 अक्टूबर तक एक नई राजनैतिक पार्टी के गठन का फैसला लिया। स्वराज अभियान के देशभर के सदस्यों ने एक जनमत संग्रह में 79% मत से इस निर्माण का अनुमोदन किया। आज हम इस लोकतांत्रिक निर्णय को अंजाम देने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं।

इस बीच देश में वैकल्पिक राजनैतिक शक्ति की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा गहरी हुई है। अब यह स्पष्ट है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही यह भाजपा सरकार आजादी से अब तक की सबसे दलित और अल्पसंख्यक विरोधी सरकार ही नहीं, सबसे किसान विरोधी सरकार भी है। यह सरकार धार्मिक सहिष्णुता के साथ-साथ पर्यावरण का सबसे गहरा विनाश करने वाली सरकार भी है। अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए यह सरकार देश में युद्धोन्माद फैलाने पर आमादा है। इस सरकार के तहत सिर्फ गरीब और हाशिये पर रहने वाले लोगों का ही नहीं, भारत के सपने का भविष्य खतरे में है। आज आजादी के आंदोलन और संविधान के आदर्शों को बचाने के लिए राजनैतिक संघर्ष और संकल्प की जरूरत है।

इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि इस संकट की घड़ी में एक भी प्रमुख राजनैतिक दल इस भूमिका का निर्वाह करने में सक्षम नहीं हैं। कांग्रेस बुनियादी रूप से इस सरकार की जन विरोधी नीतियों से असहमत नहीं है। विपक्ष में होने की मजबूरी के चलते वह गरीब, दलित, आदिवासी के नाम पर मोदी सरकार का विरोध करने का स्वांग करती है, लेकिन कांग्रेस का अपना अतीत इस विरोध के पाखण्ड का पर्दाफाश करता है। भाजपा विरोध का झण्डा बुलंद करने वाले क्षेत्रीय दल देश के बड़े आर्थिक-सामाजिक सवालों पर चुप्पी साधे रहते हैं। अल्पसंख्यकों के सवाल पर भी 'सांप्रदायिक' भाजपा और उसके 'सेक्यूलर' विरोधियों में सिर्फ इतना फर्क है कि भाजपा मुसलमानों के खिलाफ ध्रुवीकरण करके हिन्दू वोट बटोरना चाहती है तो बाकी पार्टियां मुसलमानों को भयभीत रखकर उनका वोट अपने पास बंधक रखना चाहते हैं। जिन राजनैतिक दलों से तंग आकर देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी को वोट दिया था, आज वही दल एक-दूसरे से हाथ मिलाकर मोदी का विकल्प होने का दावा कर रहे हैं। किसी भी तरह 'कांग्रेस मुक्त भारत' या किसी भी कीमत पर भाजपा को चुनाव में हराना- यह दोनों तरह की राजनीति देश का बंटाधार करने पर तुली हुई है।

इस राजनैतिक शून्य में आज से चार साल पहले आम आदमी पार्टी एक नई आशा बनकर उभरी थी। लेकिन राजनीति का इलाज करने आई यह पार्टी स्वयं राजनीति की बीमारियों का मरीज हो चुकी है। पिछले डेढ़ साल में राजनैतिक मर्यादाओं के उल्लंघन में यह पार्टी स्थापित पार्टियों से भी आगे निकल गई है। जन-लोकपाल कानून को कांग्रेस और बीजेपी के कानूनों से कमजोर बनाना, अपने विधायकों का वेतन भत्ता देशभर में सबसे ज्यादा करने का प्रयास करना, शराब के ठेकों में बढ़ोत्तरी, जनता के टैक्स का इस्तेमाल देशभर में अपने सस्ते राजनैतिक प्रचार के लिए करना, छात्र राजनीति में स्थापित दलों से भी ज्यादा धन-बल का प्रयोग करना और आए दिन अपने नेताओं के कुकर्मों का भण्डाफोड़ होने पर झूठ व नौटंकी का सहारा लेना-- इन हरकतों के चलते इस पार्टी से तो मोहभंग हुआ ही है, एक नई राजनीति की आशा पर भी चोट पहुंची है।

आज देश में एक भी दल नहीं है जो भारत के आदर्श को बचा सके, जो नए भारत का सपना बना सके, जो भविष्य की राह दिखा सके। आज देश में कोई राजनैतिक शक्ति नहीं है जो किसान, खेती और गांव को बर्बादी से बचाने का संकल्प ले सके। आज देश में कोई राजनैतिक ऊर्जा नहीं है जो आजाद भारत में गुलामी का जीवन जीने के लिए अभिशप्त तबकों को स्वराज का अहसास दिला सके।

ऐसे में सच्चे स्वराज और देशधर्म की यह मांग है कि देश बचाने और देश बनाने के लिए एक नई राजनैतिक शक्ति का निर्माण किया जाए जो चुनावी राजनीति में दखल देकर राजनैतिक सत्ता के चरित्र को बदले। आज 'स्वराज इंडिया' का निर्माण कर हम इस ऐतिहासिक जिम्मेवारी को स्वीकार करते हैं। हमें यह अहसास है कि देशभर में कई छोटे राजनैतिक दल, गैर-दलीय राजनैतिक संगठन, जनांदोलन और नागरिक अपने-अपने तरीके से वैकल्पिक राजनीति का मार्ग खोज रहे हैं। इस ऐतिहासिक जिम्मेवारी के निर्वाह में हम इन सभी संगठनों और व्यक्तियों को अपना सहमना मानते हैं और उन्हें इस प्रयास में जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं।

हमें यह अहसास भी है कि यह मार्ग आसान नहीं है। इतिहास का यही सबक है कि राजनैतिक दल जल्द ही भ्रष्टाचार के दलदल में धंस जाते हैं। अच्छे-अच्छे लोगों द्वारा बनाई गई पार्टियां सिर्फ चुनावी मशीन और स्वार्थसिद्धि का गिरोह बनकर रह जाती है। लेकिन इतिहास यह भी सिखाता है कि राजनैतिक ऊर्जा का संगठन किए बिना समाज परिवर्तन का कोई भी प्रयास अपनी तार्किक परिणति तक नहीं पहुंच पाता। संघर्ष, रचना, ज्ञान और आत्मबल के जरिये परिवर्तन की कोशिश को सत्ता परिवर्तन के संकल्प से जोड़ना अनिवार्य है।

इसलिए यह जरूरी है कि 'स्वराज इंडिया' कानूनी तौर पर पार्टी होते हुए भी पार्टियों जैसी न हो, चुनाव लड़े लेकिन सिर्फ चुनाव जीतने की मशीन न हो, नया नेतृत्व बनाए लेकिन व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को पूरा करने वाला कैरियर न बने। इसलिए हम एक ऐसी शक्ति बना रहे हैं जो :

- देश और दुनिया के लिए स्वराज, अपने समाज और स्वयं अपने लिए स्वराज के आदर्श की एक नई विचारधारा पर आधारित है।
- देश और दुनिया के बड़े सवालों पर अपनी नीति स्पष्ट करती है, जिन सवालों पर अभी सोचने की गुंजाइश है उन्हें ईमानदारी से चिन्हित करती है।
- अलग-अलग राज्यों और इलाकों में काम कर रहे संगठनों और आंदोलनों की स्वायत्तता को स्वीकार कर पार्टी के भीतर भी संघीय सिद्धांत का सम्मान करती है।
- आंतरिक लोकतंत्र के सिद्धांत को व्यवहार में उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यक्तिपूजा और हाईकमान जैसी बीमारियों से परहेज कर संगठन के भीतर असहमति का सम्मान और सबको साथ लेकर चलने की संस्कृति का निर्माण करती है।
- चुनाव में नेताओं द्वारा टिकट का फैसला करने की व्यवस्था के बदले एक नई पारदर्शी व्यवस्था की शुरुआत कर रही है, ताकि इसमें सामान्य नागरिक और जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ता की राय महत्वपूर्ण हो।
- पारदर्शिता और जवाबदेही की कसौटियों का सम्मान करते हुए आय के साथ-साथ खर्चे का हिसाब जनता के बीच रखने, सूचना के अधिकार के तहत जनता को अपने बारे में सभी जरूरी सूचना उपलब्ध कराने और संगठन में विवाद के निपटारे के लिए स्वतंत्र लोकपाल की व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है।
- अपने सदस्यों और नेताओं के व्यक्तिगत आचरण की आचार संहिता को सार्वजनिक कर रही है ताकि इसके पालन की सार्वजनिक जांच की जा सके।

देश बचाने और देश बनाने की इस ऐतिहासिक जिम्मेवारी को इन मर्यादाओं के अनुरूप निभाने के लिए देशभर से आए स्वराज के सेनानियों का यह समूह 2 अक्टूबर 2016 को इस स्थापना सम्मेलन में 'स्वराज इंडिया' नामक राजनैतिक दल के निर्माण का फैसला लेता है।

The resolution was seconded by Smt. Kamla Pant and Smt. Pushpa S and then passed by the house by voice vote (with 2 opposed).

7. Girish Nandgaonkar moved the following motion to adopt the party's constitution, copies of which had already been circulated to everyone, and which is attached at **Annexure-C**, –

प्रस्ताव-2

मैं स्वराज इंडिया के स्थापना सम्मेलन में पार्टी का संविधान इस सम्मेलन के सामने पेश करता हूं। (जिसकी प्रति संलग्न है) मैं सम्मेलन से अनुरोध करता हूं कि इस संविधान को स्वीकृति प्रदान करें।

The motion was seconded by Avik Saha and Adil Mohammed and was passed by the house by voice vote (with 1 opposed).

8. V S Purushottam moved the following motion to adopt "Swaraj Darshan" which is attached at **Annexure-D** as the party's policy document, -

प्रस्ताव-3

संलग्न दस्तावेज 'स्वराज दर्शन' को पार्टी के नीति पत्र के रूप में स्वीकार किया जाए।

The motion was seconded by Somnath Tripathi and I.D. Khajuria and was passed by the house unanimously by voice vote

9. Ravi Chopra moved the following motion, proposing that the following 42 individuals be elected as the first National Executive of Swaraj India, -

प्रस्ताव-4

मैं स्वराज इंडिया के स्थापना सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का नाम प्रस्तावित करता हूं। स्थापना सम्मेलन में उपस्थित सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि इस प्रस्ताव को स्वीकृत किया जाए।

National Executive Member

S No.	Name
1	Adil Mohammad
2	Ahmed Faheem Khan
3	Ajit Jha
4	Anand Kumar
5	Anjana Sharma
6	Anupam
7	Asna Nausheen
8	Avik Saha
9	Awdhesh Katiyar
10	Bimal Kumar Bose
11	Capt. Narayan Dass
12	Chaya Ratan
13	Christina Samy
14	Devnath Devan
15	Falguni Patadia
16	Girish Nandgaonkar

S No.	Name
17	K P Singh
18	Kuldeep Saxena
19	Lalit Babar
20	M P Singh
21	Maanik Mahna
22	Manish Kumar
23	Manohar Elavarthi
24	Neeraj Kumar
25	Nirmalendu Verma
26	Nirupma Singh
27	Prabha Shankar Sharda
28	Pushpa S
29	Rajeev Dhayani
30	Rajeev Godara
31	Ramzan Chaudhary
32	Savita Balkrushna Shinde
33	Shalini Malviya
34	Shruti Sharma
35	Somnath Tripathi
36	Subhash Lomte
37	V S Purushottam
38	Vinita Chandra
39	Yogendra Yadav
40	B Ramakrishnam Raju
41	Ganga Sahay Meena
42	Dilip

The motion was seconded by Rakesh Sinha and passed by the house by voice vote (with 2 opposed).

10. The Founding Convention of Swaraj India was adjourned briefly at this time to permit the newly elected National Executive to meet. A meeting of the Swaraj India National Executive was convened immediately in the presence of all the members of Swaraj India. The National Executive considered and passed the following resolutions, -
    a. National Executive member Asna Nausheen proposed that the following 17 persons constitute the first Party Presidium of Swaraj India, –

प्रस्ताव-5

मैं स्वराज इंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस पहली बैठक में पार्टी के प्रेसीडियम के लिए निम्न सदस्यों के नाम का प्रस्ताव करती हूं।

1. योगेन्द्र यादव (Yogendra Yadav)
2. अजीत झा (Ajit Jha)
3. अहमद फहीम खान (Ahmed Faheem Khan)
4. अविक साहा (Avik Saha)
5. क्रिस्टीना सामी (Christina Samy)
6. व्ही एस पुरुषोत्तम (V S Purushottam)
7. प्रभा शंकर शारदा (Prabha Shankar Sharda)
8. गिरीश नंदगांवकर (Girish Nandgaonkar)
9. राजीव ध्यानी (Rajeev Dhyani)
10. सोमनाथ त्रिपाठी (Somnath Tripathi)
11. अनुपम (Anupam)
12. राजीव गोदारा (Rajeev Godara)
13. आदिल मोहम्मद (Adil Mohammed)
14. ललित बाबर (Lalit Babar)
15. सुभाष लोमटे (Subhash Lomte)
16. सविता शिंदे (Savita Shinde)
17. शालिनी मालवीय (Shalini Malviya)

मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों से इस प्रस्ताव को स्वीकार करने का अनुरोध करती हूं।

The proposal was seconded by Capt. Narayan Dass and passed unanimously by the National Executive of Swaraj India.

b. National Executive member Adil Mohammed moved the following resolution, proposing that Yogendra Yadav be elected as the party's National President, –

प्रस्ताव-6

मैं स्वराज इंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस पहली बैठक में पार्टी के अध्यक्ष के लिए योगेन्द्र यादव का नाम पेश करता हूं।

अध्यक्ष : योगेन्द्र यादव

मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों से इस प्रस्ताव को स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं।

The resolution was seconded by Savita Shinde and passed by the National Executive unanimously.

c. National Executive member Lalit Babar moved the following resolution, proposing that Ajit Jha be elected as the party's National General Secretary, –

प्रस्ताव-7

मैं स्वराज इंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस पहली बैठक में पार्टी के महासचिव के लिए अजीत झा का नाम पेश करता हूं।

महासचिव : अजीत झा

मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों से इस प्रस्ताव को स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं।

The resolution was passed unanimously by the National Executive

d. National Executive member Prabha Shankar Sharda moved the following resolution, proposing that Ahmed Faheem Khan be elected as the party's National Treasurer, –

प्रस्ताव-8

मैं स्वराज इंडिया की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस पहली बैठक में पार्टी के कोषाध्यक्ष के लिए फहीम खान का नाम पेश करता हूं।

कोषाध्यक्ष : फहीम खान

मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों से इस प्रस्ताव को स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं।

The resolution was seconded by V Purushottam and passed by the National Executive unanimously.

e. The meeting of the National Executive was adjourned sine die and the founding meeting of Swaraj India was reconvened.

11. Ramzan Choudhary moved the following resolution, authorizing General Secretary Ajit Jha to take any necessary decisions on behalf of the party in response to directions of the Election Commission during the process of registering the party, –

प्रस्ताव-9

मैं स्वराज इंडिया के स्थापना सम्मेलन में प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं कि यदि पार्टी पंजीकरण की प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार पार्टी का नाम बदलने या किसी अन्य प्रक्रिया को अंजाम देने की आवश्यकता हो तो राष्ट्रीय महासचिव श्री अजीत झा इस स्थापना सम्मेलन की तरफ से फैसला करने के लिए अधिकृत होंगे।

मैं स्थापना सम्मेलन के सदस्यों से इस प्रस्ताव को स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं।

The resolution was seconded by Asna Nausheen and passed by the house unanimously.

12. Newly elected national President of Swaraj India, Yogendra Yadav addressed the convention, pointing out that alternative politics was the dire necessity of the day if we are to have any hope of protecting the foundational values of socialism, secularism & democracy itself, of our Nation.
13. The meeting adjourned at 3:00pm after a vote of thanks to the chair.